आपके बच्चे की विशेष ज़रूरतों के लिए विशेष प्रकार की शिक्षा

NIOS बोर्ड

नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ ओपन स्कूलिंग (NIOS)

Nayi Disha
inform • connect • empower

क्या आपको पता है ?

बहुत सारे सफल और प्रेरणादायी भारतीयों ने NIOS बोर्ड से शिक्षा प्राप्त की है !

राष्ट्र की शान मेरी कॉम !

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड विजेता, व्हायोलिन वादक अर्थिरा कृष्णा !

इन मे टेनिस सितारा सोमदेव किशोर देववर्मन भी शामिल है !

इन सभी को NIOS से कैसे लाभ हुआ ?

आपके बच्चे को भी NIOS से कैसे लाभ होगा ?

Picture Source:
https://www.thehindubusinessline.com/news/sports/mary-kom-in-final-vikas-solanki-in-semis-as-boxers-excel/article23500928.ece

NIOS क्या है ?

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
National Institute of Open Schooling
(An autonomous institution under Ministry of HRD, Govt. of India)
(The Largest Open Schooling System in the World) ISO 9001:2008 CERTIFIED

NIOS, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तहत, एक शिक्षात्मक बोर्ड है |

ये संस्था, उन विद्यार्थियों को शिक्षा देती है, जिनको विभिन्न कारण वश सामान्य पाठशालाओं में शिक्षा लेना संभव नहीं होता |

NIOS कोई स्पेशल स्कूल नहीं है,वे केवल सहायता प्रदान करते है जिससे विशेष आवश्यकता वाले छात्रों को लाभ मिल सके|

Picture Source:
https://www.navodayatimes.in/news/jobs/nios-is-recruiting-on-various-posts/34462/

यह अलग कैसे है ?

संक्षेप में, **संक्षेप में NIOS निम्न प्रकार से सहायता करता है**

- स्वयं अध्ययन / घर से पढ़ाई
- व्यक्तिगत ध्यान दिया जा सके ऐसी छोटी
  कक्षा वाले अध्ययन केंद्र
- परिस्थिति अनुरूप परीक्षा की तारीख |
- परीक्षा के वक्त अतिरिक्त समय|
- विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के लिए
  अन्य विशेष छूट |

चलिए, इस बारे में विस्तृत जानकारी लेते है |

यह कैसे काम करता है ?

NIOS **स्वयं अध्ययन** पर आधारित है |

सभी विषयों की छपी हुई **स्व-निर्देशात्मक सामग्री** + अतिरिक्त सहायक सामग्री, आपके घर तक पहुँचाई जाती है|

क्या आपका बच्चा पाठ्यपुस्तक में दी हुई व्याख्याएं भूल जाता है लेकिन सभी फिल्मी संवाद याद रखता है ?

छपी हुई सामग्री के अतिरिक्त NIOS अध्ययन सामग्री मे दृश्य-श्रव्य (ऑडियो विज़ुअल) साधनों का भी समावेश होता है ! **जो बच्चे पढ़ने के बजाय देख और सुनकर ज्यादा अच्छी तरह से समझ सकते है उनके लिए यह फ़ायदेमंद है** |

घर पर खुद से पढने के साथ ही यह जरूरी है की आपका बच्चा कुछ असाइनमेंट करने एवं अध्यापक से अतिरिक्त मदद लेने के लिए **स्थानीय अध्ययन केंद्र** में जाए|

यह कैसे काम करता है ?

अगर आप खुद से पढाई करना नहीं चाहते है तो आप NIOS विद्यालय चुन सकते है |

बहुत सारे निजी विद्यालयों में NIOS की शाखाएं होती है| यहा आप के बच्चे को स्कूल का माहौल भी मिलेगा और साथ ही उसकी पढ़ाई का तरीका भी सुविधाजनक होगा |

शिक्षा के कालावधि दौरान आप किसी भी समय और किसी भी बोर्ड से NIOS में शिफ्ट हो सकते है |

NIOS बोर्ड चुनते समय, आप NIOS और आपके पुराने बोर्ड में समान होने वाले ज्यादा से ज्यादा दो विषयों के लिए, **ट्रांसफर ऑफ़ क्रेडिट** का विकल्प चुन सकते हैं |

NIOS के बाद आप कौनसी पढ़ाई कर सकते है?

किसी भी प्रकार की पढ़ाई जो आप CBSE / CISE / IBDP या किसी भी अन्य बोर्ड मे पढ़ने के बाद कर सकते है।

सभी विश्वविद्यालय, अपनी प्रवेश प्रक्रिया के दौरान NIOS विद्यार्थियों के साथ भेदभाव ना करने के लिए क़ानूनी रूप से बाध्य है।

वर्तमान समय में, NIOS में पढ़े हुए विद्यार्थी **IIT, दिल्ली विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय** और अन्य प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे है।

नोट: छात्रों को अन्य मानदंडों को पूरा करना चाहिए जो विश्वविद्यालय मांग कर सकते हैं, जैसे कि आयु और राष्ट्रीयता।

कौन से पाठ्यक्रम (कोर्स) उपलब्ध है ?

NIOS कई प्रकार के प्रमाणित शैक्षिक और व्यावसायिक पाठ्यक्रम प्रदान करती है।

<table>
<tr><th>ओपन बेसिक एजुकेशन (OBE) A, B, C</th><th>सेकेंडरी स्कूल (माध्यमिक विद्यालय)</th><th>सीनियर सेकेंडरी (उच्च माध्यमिक विद्यालय)</th><th>व्यावसायिक पाठ्यक्रम</th></tr>
<tr><td>3 री, 5 वीं और 8 वीं कक्षा उत्तीर्ण होने के समकक्ष (क्रमशः)।</td><td>10 वीं कक्षा उत्तीर्ण होने के समकक्ष</td><td>12 वीं कक्षा उत्तीर्ण होने के समकक्ष</td><td>रूरल टेक्नोलॉजी में सर्टिफिकेट /डिप्लोमा पाठ्यक्रम, इन्फर्मेशन कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी व अन्य विषय</td></tr>
<tr><td rowspan="2">६ से १४ साल की आयु के विद्यार्थियों के लिए</td><td>१४ से १८ साल की आयु के विद्यार्थियों के लिए</td><td rowspan="2">कम से कम १५ साल की आयु के विद्यार्थियों के लिए</td><td rowspan="2">पात्रता की परिवर्तनीय आयु पाठ्यक्रम का परिवर्तनीय अवधि</td></tr>
<tr><td>समतुल्यता कार्यक्रम (Equivalency Propgramme) के तहत वयस्कों के लिए भी समान शिक्षा उपलब्ध</td></tr>
<tr><td colspan="4">सभी शिक्षाक्रमोंमे, जीवन समृद्ध कार्यक्रम (Life enrichment programme) + जीवन कौशल (Life skill) शिक्षा, का समावेश अनिवार्य है ।</td></tr>
</table>

कौन से पाठ्यक्रम (कोर्स) उपलब्ध है ?

ओपन बेसिक एजुकेशन (OBE) A, B, C

- यह, अन्य बोर्ड की क्रमशः **३ री, ५ वीं और ८ वीं कक्षा** उत्तीर्ण होने के बराबर शैक्षिक पात्रता प्रदान करता है।

- इसमें कम्प्यूटर स्किल्स (मुलभुत संगणक कौशल) + १ अनिवार्य वोकेशनल (व्यावसायिक) पाठ्यक्रम का समावेश है।
- अगर आपके बच्चे की आयु ६ से १४ साल तक है तब वह इसके लिए पात्र है।
- १४ साल से ज्यादा उम्र के बच्चों के लिए राष्ट्रीय साक्षरता मिशन प्राधिकरण(National literacy mission authority) की *मुलभुत शिक्षा साक्षरता मूल्यांकन परीक्षा (Basic Education Literacy Assessment)* उत्तीर्ण होना जरूरी है।

** यह राज्य के अनुसार अलग अलग होता है। कृपया अपने राज्य के लिए NLMA गतिविधियों की जाँच करें।*

Nayi Disha inform · connect · empower

स्त्रोत: *https://nios.ac.in/media/documents/annual_reports/FINAL_ANNUAL_REPORT-2017-18_website-min.pdf*

(सेकेंडरी स्कूलिंग) माध्यमिक विद्यालय

यह, अन्य बोर्ड की **१० वीं कक्षा** उत्तीर्ण होने के बराबर, शैक्षिक पात्रता प्रदान करता है !

अगर आपका बच्चा **८ वीं पास है एवं उसकी आयु कम से काम १४ साल है**, तब वह इस पाठ्यक्रम के लिए पात्र है।

जिन बच्चो नेअन्य बोर्ड से **माध्यमिक शिक्षा शुरु की है लेकिन किसी कारण उसे पूरा नहीं कर सके,** ऐसी स्तिथि में NIOS के माध्यम से अपनी शिक्षा पूरी कर सकते है ।

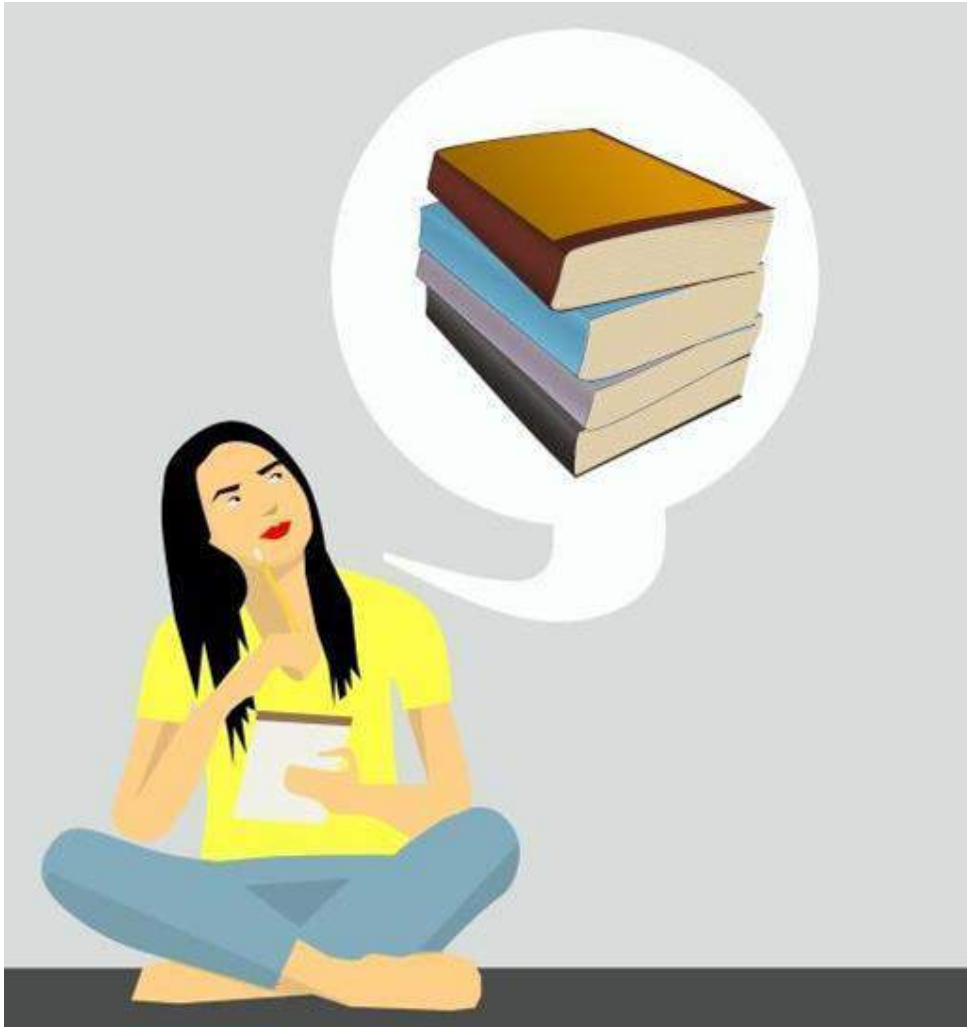

- अन्य बोर्ड से अपनी माध्यमिक शिक्षा पूरी करने वाले छात्र भी अपने अधिक से अधिक ४ विषयों के गुणों को बढ़ाने के लिए माध्यमिक विद्यालय में **पुनर्प्रवेश** ले सकते है ।

- इस तरह किसी भी उम्र में (इसमें उम्र की सीमा नहीं वयस्क होने पर भी साथ ही विशेष आवश्यकता वाले वयस्कों का भी समावेश है), **माध्यमिक शिक्षा** के समकक्ष शिक्षा लेने के लिए **समतुल्यता कार्यक्रम (Equivalency Programme)**उपलब्ध है।
- इसके लिए सिर्फ प्राथमिक शिक्षा उत्तीर्ण होना जरूरी है ।

सीनियर सेकेंडरी (उच्च माध्यमिक विद्यालय)

- यह, अन्य बोर्ड की **१२ वीं कक्षा** पास के समकक्ष, शैक्षिक पात्रता प्रदान करता है ।

- अगर आपका बच्चा **माध्यमिक शिक्षा(सेकेंडरी स्कूल) उत्तीर्ण** है एवं उसकी आयु कम से काम १५ साल है तब वह इस पाठ्यक्रम के लिए पात्र है।

- जिन बच्चो ने अन्य बोर्ड से **माध्यमिक शिक्षा शुरु की है लेकिन किसी कारण उसे पूरा नहीं कर सके,** ऐसी स्थिति में NIOS के माध्यम से अपनी शिक्षा पूरी कर सकते है ।

- अन्य बोर्ड से अपनी **उच्च माध्यमिक शिक्षा** पूरी करने वाले छात्र भी अपने अधिक से अधिक ४ विषयों के मार्क्स (marks) को बढ़ाने के लिए सीनियर सेकेंडरी (**उच्च माध्यमिक** विद्यालय) में **पुनर्प्रवेश** ले सकते है ।

व्यावसायिक पाठ्यक्रम

गृह विज्ञान(Home Science), आतिथ्य प्रबंधन(Hospitality Management), परचिकित्सक (Paramedics), व्यापार(Business), पशुपालन(Animal Husbandry) एवं अन्य उपयुक्त व्यवसायों मे डिप्लोमा/प्रमाणित पाठ्यक्रम !

संपूर्ण जानकारी के लिए NIOS Vocational Training Portal देखें ।

इन मे निम्नलिखित सभी पाठ्यक्रमों का समावेश है!

जीवन समृद्ध कार्यक्रम

इसमें निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समावेश है :

- प्रदर्शन कला और चित्रकला
- जीवन विज्ञान
- महिला सशक्तिकरण
- योग और स्वास्थ्य

जीवन कौशल शिक्षा

सर्वांगीण शिक्षा अंतर्गत NIOS, निम्नलिखित शिक्षा के लिए लगातार कार्यशालाएं संचालित करती है।

- स्वयं में कम आत्मसम्मान महसूस करनेवाले विद्यार्थियों की मदद के लिए !
- मादक द्रव्यों का सेवन रोकने के लिए !
- लिंग भेदभाव और शारीरिक एवं यौन शोषण रोकने के लिए !

Source:
https://nios.ac.in/media/documents/annual_reports/FINAL_ANNUAL_REPORT-2017-18_website-min.pdf

अध्यापन में कौन से घटक मददगार साबित होते है ?

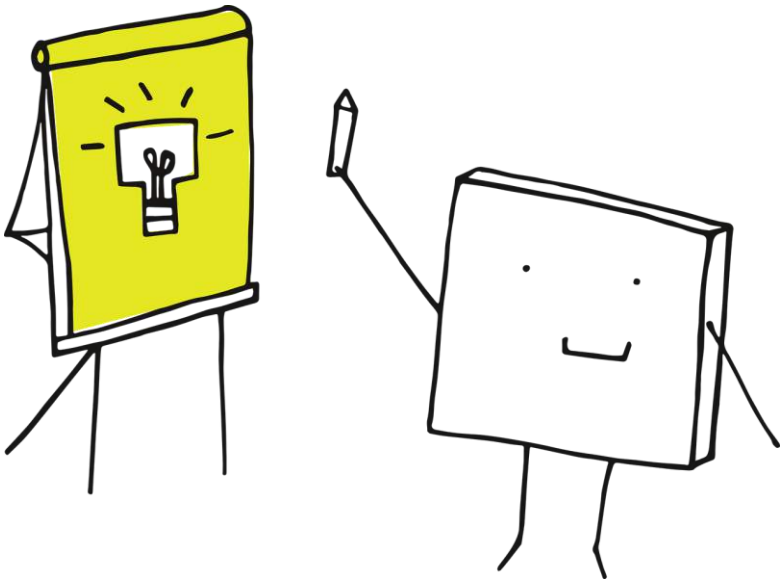

वैकल्पिक अध्यापन प्रणाली :

- भूमिका निभाना
- साक्षात्कार(इंटरव्यू)
- चर्चाएँ
- नाटक और
- कहानी सुनाना

एवं अध्यापन केंद्र में निम्नलिखित विषयों पर सप्ताह के अंत में **कार्यशालाएं** ,

- असाइनमेंट कैसे लिखना
- सामान्य गलतियां
- अपेक्षित सवाल
- तालिका / आलेख / नक्शे इनके साथ कैसे निपटना
- अन्य सहायता

टिप्पणी :

- ➢ चिकित्सा विषयों के(थेअरी) ऐसे ३० सत्र, जिनमे १५ सत्रोंमे उपस्थिति अनिवार्य !
- ➢ ५ प्रायोगिक सत्र(प्रैक्टिकल सेशन्स) !

अध्यापन में कौन से घटक मददगार साबित होते है ?

भारतीय सांकेतिक भाषा का शब्दकोश, जिसमे २००० शब्दों और मूल वाक्यों के लिए ३८ वीडिओज़का समावेश है। यह शब्दकोश ऑन लाइन उपलब्ध है।

अध्ययन केंद्र पर न जा सकने वाले विद्यार्थियों के लिए NIOS का "मुक्त विद्या वाणी" **वेब रेडिओ उपलब्ध है। आप इसे** अध्ययन सम्बन्धी सवालों और मसलों को सुलझाने वाली **हेल्पलाइन के तौर पर इस्तेमाल कर सकते** है !
इस का टोल फ्री नंबर है
१८०० १८० २५४३ (1800 180 2543)

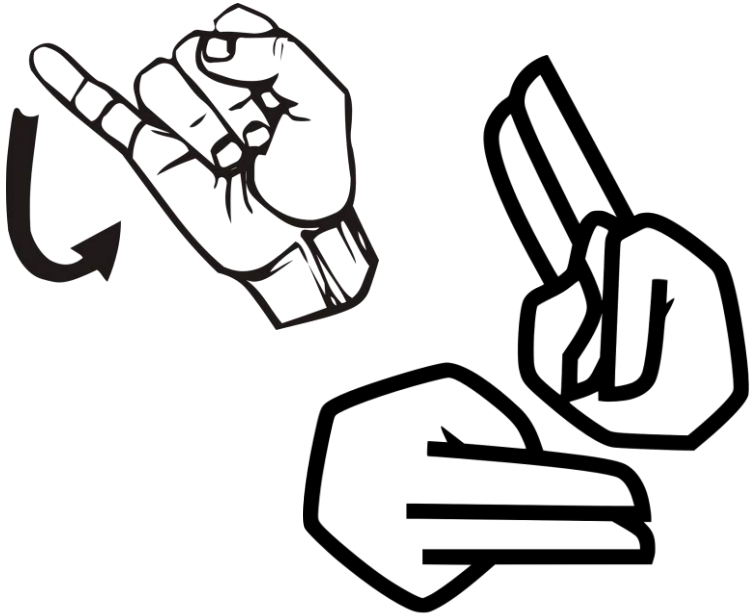

जिन बच्चों को छपी हुई(प्रिंटेड) किताबों से पढना मुश्किल लगता है उनके लिए कई विषयों पर **दृश्य-श्राव्य (ऑडियो विज़ुअल)अध्ययन सामग्री** उपलब्ध है !

मेरा बच्चा क्या सीखेगा ?

भाषा

- हिंदी
- इंग्लिश
- बंगाली
- उड़िया
- तमिल
- उर्दू
- संस्कृत
- गुजराती
- पंजाबी
- पर्शियन
- अरेबिक
- मलयालम

भौतिक विज्ञान

- गणित
- पदार्थ विज्ञान
- रसायन विज्ञान
- जीव विज्ञान

समाज शास्त्र

- इतिहास
- भूगोल
- राजनीति विज्ञान
- अर्थ शास्त्र

औद्योगिक

- मास कम्युनिकेशन
- डाटा एंट्री ऑपरेशन
- कानून से परिचय
- टाइपराइटर
- स्टेनोग्राफर
- लाइब्रेरी एवं इनफार्मेशन साइंस

औद्योगिक

- सैनिकी प्रशिक्षण
- बेकरी व मिठाई व्यवसाय
- फ़ूड प्रोसेसिंग
- कैटरिंग मैनेजमेंट
- होटल फ्रंट ऑफिस ऑपरेशन
- सॉइल एंड फ़र्टिलाइज़र मैनेजमेंट
- सौर ऊर्जा तकनीशियन
- बायो- गैस टेक्नोलॉजी

कुल ५० विषयों का विकल्प,

व्यावसायिक

सैद्धांतिक

और प्रायोगिक अनुभव

मेरा बच्चा क्या सीखेगा ?

- कम से कम ५ और ज्यादा से ज्यादा ७ विषय
- इन मे ज्यादा से ज्यादा २ भाषाओं का समावेश
- कुछ विषय सिर्फ सैद्धांतिक(थेअरी)है, अन्य विषयों में सिद्धांत(थेअरी) व प्रयोग(प्रैक्टिकल) दोनों का समावेश है|
- अगर छात्रों के लिए शुरुआत में चुने हुए विषयों को पढ पाना मुश्किल हो जाता है तब वे शिक्षा काल के दौरान **बीच मे भी विषय बदल सकते हैं**|

मेरा बच्चा क्या सीखेगा ?

*NIOS अध्ययन केंद्र कोई स्पेशल स्कूल **नहीं** है!*

- वे केवल सहायता प्रदान करते है जिससे विशेष आवश्यकता वाले छात्रों को लाभ मिल सके ।

- इसलिए यहाँ का पाठ्यक्रम **अन्य बोर्ड की तुलना में आसान होता है** पर स्पेशल स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम से कठिन होता है ।

परीक्षा का स्वरूप किस प्रकार होता है?

टिपण्णी : सभी विषयोंमे ODE की अनुमति नहीं है। हिंदी, जीव विज्ञान, इतिहास और अर्थशास्त्र जैसे अधिकांश मुख्य विषयों के लिए अनुमति है। कुछ दुर्लभ विषयोंके लिए नहीं है।

परिक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए आप का बच्चा ५ सालों में **९ बार परीक्षा** दे सकता है |

आप निम्नलिखित परीक्षाएं भी दे सकते है:

- लोकसेवा परीक्षा
  - अन्य बच्चों के साथ, साल में दो बार!
- **अनुरोध पर आपकी सुविधानुसार परीक्षा(ऑन डिमांड एक्साम्स (ODEs))**,
  - पूर्व सूचना देकर, साल में किसी भी समय|
- विभिन्न विषयों के लिए, ऊपर दिए हुए **किन्ही २ विकल्पों का मेल** |

परीक्षा के लिए क्या सुविधाएँ मिलती है ?

- एक **कंप्यूटर**
- एक **ऑगमेंटेड कम्युनिकेशन बोर्ड (आटिज्म से प्रभावित बच्चों के लिए शब्दों के जगह चित्रों का उपयोग)**
- एक **ब्रेल टाइप राइटर** !
- विशिष्ठ संवेदी आवश्यकताओं नुसार बैठनेकी व्यवस्था

- लिपिकार / स्क्राइब याने की **लिखने वाला**
- परीक्षा के कालावधि दौरान **सहाय्यक** की उपस्थिति
- सांकेतिक भाषा का **दुभाषिया**
- प्रयोग सत्र(प्रैक्टिकल सेशन्स) के दौरान **प्रयोगशाला सहाय्यक** की मदद

परीक्षा के लिए क्या सुविधाएँ मिलती है ?

- प्रैक्टिकल एग्जाम के बजाय प्रोजेक्ट वर्क करने का विकल्प
- परीक्षा के हर घंटे के लिए **२० मिनट का अतिरिक्त समय**
- परीक्षा के हर घंटे बाद **१० मिनट का विश्राम**

इस सुविधा को प्राप्त करने के लिए, *आप के पास* ***शासकीय रुग्णालय /NGO अथवा*** *Rehabilitation Council of India/Central Government/State Government के अंतर्गत पंजीकृत* ***चिकित्सक*** *(प्रैक्टिशनर) से प्राप्त विकलांगता प्रमाण पत्र की मूल कॉपी होना आवश्यक है ।*

प्रमाण पत्र में आप के बच्चे के विकलांगता का स्वरूप व उसकी सीमा को दर्शाना आवश्यक है ।

कुछ विचार करने योग्य बाते

साल २०१७-१८ में ५,६२,२२२ नामांकन ! सिर्फ दिव्यांग श्रेणी से १७२० नामांकन थे । उन में से कुछ छात्र बौद्धिक व विकासात्मक विकलांगता से प्रभावित थे ।

इस बहुत ही सुविधा जनक फिर भी बहुत कम ज्ञात विकल्प के बारे में सीखीए ।

क्या NIOS आप के बच्चे के लिए लाभदायक है इसकी खोज कीजिये।

प्रवेश प्रक्रिया किस प्रकार है ?

पुरे साल में किसी भी समय आवेदन करे !कोई ऊपरी आयु सीमा नहीं /

विकलांगता प्रमाण पत्र होने पर आपको फीस में छूट मिल सकती हैं ।

ऑनलाइन आवेदन करते समय नकली पंजीकरण वेब साइट से सावधान रहिये ।

कृपया सिर्फ NIOS की अधिकृत वेब साइट ww.nios.ac.in देखे !या अध्ययन केंद्र पर जाकर प्रत्यक्ष आवेदन करे ।

आप के शहर के लिए https://www.nios.ac.in/contact-us/regional-offices.aspx इस वेब साइट पर खोजे ।

सविस्तार आवेदन मार्गदर्शन के लिए Academic Prospectus देखे ।

अधिक जानकारी के लिए

टोल फ्री हेल्पलाइन पर संपर्क करे	१८०० १८० ९३९३
इ-मेल लिखे	lsc@nios.ac.in
या खत लिखे	दी डायरेक्टर (स्टूडेंट सपोर्ट सर्विसेज) नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ ओपन स्कूलिंग A -२४-२५ इंस्टीटूशनल एरिया, सेक्टर ४२ नोएडा २०१३०९ उत्तर प्रदेश
मुख्य कार्यालय से संपर्क करे	https://www.nios.ac.in/contact-us/headquarter.aspx
या हैदराबाद, दिल्ली, मुंबई, पुणे या आप के शहर में विभागीय कार्यालय .	https://www.nios.ac.in/contact-us/regional-offices.aspx

Nayi Disha व अभिभावक आपकी सहायता के लिए उपलब्ध हैं !

विशेष जरूरतों वाले बच्चे के पालन पोषण संबधित आपकी सारी आशंकाओँका निराकरण करने के लिए नई दिशा के पैरेंट'स सपोर्ट ग्रुप व मंथली सपोर्ट ग्रुप आपकी सहायता के लिए तैयार है ।

पैरेंट कम्युनिटी से जुड़ने के लिए या/और अधिक जानकारी के लिए
हमें contactus@nayi-disha.org इस पते पर लिखें